खण्ड-408, अंक-1
बुधवार, 24 अग्रहायण, शक संवत् 1915
(15 दिसम्बर, 1993 ई0)

उत्तर प्रदेश विधान सभा

की

कार्यवाही

(अधिकृत विवरण)

(बारहवीं विधान सभा, प्रथम सत्र 1993)

खण्ड 408 में 6 अंक है

उत्तर प्रदेश विधान सभा सचिवालय (कार्यवाही अनुभाग) द्वारा प्रकाशित

मुद्रक:

निदेशक, राजकीय मुद्रण एवं लेखन सामग्री, लखनऊ, उत्तर प्रदेश (भारत)

1993

मूल्य : बिना महसूल 25 पैसे, महसूल सहित 31 पैसे |

वार्षिक चन्दा : बिना महसूल 10 रुपये, महसूल सहित 12 रुपये |

विषय-सूची

विषय	पृष्ठ-संख्या
उत्तर प्रदेश विधान सभा के सदस्यों की सूची ..	क–छ
श्री राज्यपाल, मंत्रि-परिषद्, नेता विरोधी दल, उत्तर प्रदेश विधान सभा के पदाधिकारी तथा अधिष्ठाता मण्डल ..	झ–ट
उपस्थित सदस्य	ठ–ड
विधान सभा की सदस्यता की शपथ ग्रहण करने वाले मा० सदस्यों से शपथ ग्रहण करने का आग्रह	1
श्री केशरी नाथ त्रिपाठी, सदस्य, विधान सभा को अस्थायी अध्यक्ष नियुक्त करने की सूचना	1
विधान सभा के अध्यक्ष का निर्वाचन तथा नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्री धनीराम वर्मा को बधाई	1–12
कार्य-मंत्रणा समिति हेतु सदस्यों के नाम निर्देशन की सूचना ..	12–13
सदन में विधायक सीट पर बैठे अजनबी व्यक्ति को क्षमा किये जाने का प्रस्ताव (स्वीकृत)	13

उत्तर प्रदेश विधान सभा

उत्तर प्रदेश विधान सभा

उत्तर प्रदेश विधान सभा के सदस्यों की सूची

1–अंगद यादव, श्री — आजमगढ़
2–अकबर अली, श्री — जालौन
3–अक्षयवर लाल, श्री — बहराइच
4–अखलाख, श्री — मेरठ
5–अखिलेश, श्री — महराजगंज
6–अखिलेश कुमार सिंह, श्री — रायबरेली
7–अछैयवर भारती, श्री — मऊ
8–अजय कुमार पोइया, श्री — मथुरा
9–अजय प्रताप सिंह उर्फ लल्ला भइया, श्री — गोण्डा
10–अतीक अहमद, श्री — इलाहाबाद
11–अनिल कुमार, श्री — सीतापुर
12–अफजाल अन्सारी, श्री — गाजीपुर
13–अमरजीत सिंह जनसेवक, श्री — फतेहपुर
14–अमरनाथ यादव, श्री — वाराणसी
15–अमर सिंह, श्री — अलीगढ़
16–अमर सिंह, श्री — सिद्धार्थनगर
17–अमित अग्रवाल, श्री — मेरठ
18–अम्बिका, श्री — बलिया
19–अम्बिका सिंह, श्री — गोरखपुर
20–अम्बिका सिंह, श्री — देवरिया
21–अ० रईस, श्री — सुल्तानपुर
22–अरविन्द कुमार, श्री — ललितपुर
23–अरविन्द प्रताप सिंह, कुंवर, — फर्रुखाबाद
24–अरिमर्दन सिंह, श्री — हमीरपुर
25–अवध पाल सिंह यादव, श्री — एटा
26–अवधेश प्रसाद, श्री — फैजाबाद
27–अवनीश कुमार सिंह, श्री — बदायूं
28–अशोक कुमार सिंह चन्देल, श्री — हमीरपुर
29–अशोक कुमार सिंह चौधरी बेबी, श्री — उन्नाव
30–अशोक बाजपेई, श्री — हरदोई
31–आनन्द यादव, श्री — देवरिया
32–इन्द्रदेव सिंह, श्री — बिजनौर
33–इन्द्रपाल सिंह, श्री — इटावा
34–इन्द्र भद्र सिंह, श्री — सुल्तानपुर
35–इरशाद, श्री — आजमगढ़
36–इश्तियाक अंसारी, श्री — गाजीपुर
37–इश्तियाक अहमद, श्री — बाराबंकी
38–उदय प्रकाश, श्री — हमीरपुर
39–उदय भान सिंह, श्री — आगरा
40–उपदेश सिंह चौहान, श्री — मैनपुरी
41–उमाकान्त यादव, श्री — जौनपुर
42–उमाशंकर, श्री — जौनपुर
43–उर्मिला देवी यादव, श्रीमती — मैनपुरी
44–उर्मिला राजपूत, श्रीमती — फर्रुखाबाद
45–ऊदल, श्री — वाराणसी
46–ओंकार सिंह, श्री — एटा
47–ओम प्रकाश, श्री — गाजीपुर
48–ओम प्रकाश, श्री — गोरखपुर
49–ओम प्रकाश गुप्ता, श्री — सीतापुर
50–ओम प्रकाश सिंह, श्री — मिर्जापुर
51–करन सिंह, श्री — मुरादाबाद
52–कल्याण सिंह, श्री — अलीगढ़
53–कामेश्वर उपाध्याय, श्री — देवरिया
54–काशी सिंह ऐरी, श्री — पिथौरागढ़
55–किरन पाल सिंह, श्री — बुलन्दशहर
56–किशन लाल, श्री — पीलीभीत

57–किशन लाल दिलेर, श्री — अलीगढ़
58–कृष्ण कुमार नवमान, श्री — अलीगढ़
59–कृष्णवीर सिंह सिरोही, श्री — गाजियाबाद
60–केदार सिंह फोनिया, श्री — चमोली
61–केशरी नाथ त्रिपाठी, श्री — इलाहाबाद
62–कोकब हमीद खां, श्री — मेरठ
63–गजराज सिंह, श्री — गाजियाबाद
64–गजाधर सिंह, श्री — रायबरेली
65–गनपति सिंह, श्री — महराजगंज
66–गया चरण दिनकर, श्री — बांदा
67–गिरीश नारायण पाण्डेय, श्री — रायबरेली
68–गोविन्द सिंह कुंजवाल, श्री — अल्मोड़ा
69–गौरी शंकर एडवोकेट, श्री — लखनऊ
70–घनश्याम शुक्ल, श्री — गोण्डा
71–घूरा राम, श्री — बलिया
72–चन्द्र किशोर, श्री — महराजगंज
73–चन्द्र भान मौर्य, श्री — आगरा
74–चन्द्र भूषण सिंह उर्फ मुन्नू बाबू, श्री — फर्रुखाबाद
75–चन्द्र मणि कान्त सिंह, श्री — बहराइच
76–चन्द्र विजय सिंह उर्फ बेबी राजा, श्री — मुरादाबाद
77–चन्द्र शेखर, श्री — गाजीपुर
78–चन्द्र शेखर, श्री — बस्ती
79–चरन सिंह, श्री — मेरठ
80–चेतराम, श्री — शाहजहांपुर
81–चैनसुख भारती, श्री — जालौन
82–छब्बू, श्री — वाराणसी
83–छोटे लाल, श्री — हरदोई
84–छोटे लाल यादव, श्री — बाराबंकी
85–छोटे लाल वर्मा, श्री — आगरा
86–जगत सिंह, श्री — मुजफ्फरनगर
87–जगदम्बा, श्री — बस्ती
88–जगदम्बिका पाल, श्री — बस्ती
89–जगदीश मुनि, श्री — हरिद्वार
90–जगन्नाथ प्रसाद, श्री — खीरी
91–जगरनाथ चौधरी, श्री — जौनपुर
92–जगराम सिंह, श्री — कानपुर नगर
93–जगवीर सिंह, श्री — अलीगढ़
94–जदुरानी, श्रीमती — हरदोई
95–जमुना मिश्र, श्री — सुल्तानपुर
96–जयपाल सिंह, श्री — मेरठ
97–जय प्रताप सिंह, श्री — सिद्धार्थनगर
98–जयराम कुशवाहा, श्री — गाजीपुर
99–जयवीर सिंह भदौरिया, श्री — इटावा
100–जवाहर यादव उर्फ पंडित, श्री — इलाहाबाद
101–जवाहर लाल दिवाकर, श्री — इलाहाबाद
102–जसवन्त सिंह, श्री — कानपुर देहात
103–जितेन्द्र कुमार जायसवाल उर्फ पप्पू भइया, श्री — गोरखपुर
104–जुगेन्द्र सिंह, श्री — इलाहाबाद
105–जोखू लाल यादव, श्री — इलाहाबाद
106–ज्योत्सना श्रीवास्व, श्रीमती — वाराणसी
107–ज्वाला प्रसाद यादव, श्री — जौनपुर
108–तिलक राज बेहड़, श्री — नैनीताल
109–तीरथ राज, श्री — सोनभद्र
110–तुलसीदास राय चन्दानी, श्री — गोण्डा
111–तुलाराम सैनी, श्री — मुरादाबाद
112–तेजपाल सिंह, श्री — बिजनौर
113–तेजपाल सिंह, श्री — मथुरा
114–तेजपाल सिंह पंवार, श्री — हरिद्वार

115–तेज भान सिंह, श्री	सुल्तानपुर
116–त्रिपाल सिंह धामा, श्री	मेरठ
117–दया सिन्धु शंखधर, श्री	बदायूं
118–दरोगा, श्री	आजमगढ़
119–दल बहादुर कोरी, श्री	रायबरेली
120–दिलीप कुमार वर्मा, श्री	बहराइच
121–दीनानाथ चौधरी, श्री	बलिया
122–दीनानाथ भाष्कर, श्री	वाराणसी
123–देवकी नन्दन, श्री	उन्नाव
124–देवेन्द्र कुमार सिंह, श्री	ललितपुर
125–दौलत राम, श्री	सीतापुर
126–धनराज यादव, श्री	सिद्धार्थनगर
127–धनीराम वर्मा, श्री	इटावा
128–धर्मपाल यादव उर्फ डी० पी० यादव, श्री	बुलन्दशहर
129–धामू राम भाष्कर, श्री	फैजाबाद
130–धीरेन्द्र बहादुर सिंह, कुंवर,	खीरी
131–धू राम, श्री	हमीरपुर
132–नजमउद्दीन, श्री	इलाहाबाद
133–नन्द किशोर मिश्रा, श्री	देवरिया
134–नन्द लाल, श्री	सुल्तानपुर
135–नन्द लाल सिंह पटेल, एडवोकेट, श्री	इलाहाबाद
136–नरेन्द्र कुमार सिंह गौर, श्री	इलाहाबाद
137–नरेन्द्र सिंह, श्री	मेरठ
138–नरेन्द्र सिंह, श्री	मैनपुरी
139–नरेन्द्र सिंह, श्री	सीतापुर
140–नरेन्द्र सिंह चौधरी, श्री	कानपुर देहात
141–नरेन्द्र सिंह सिसौदिया, श्री	गाजियाबाद
142–नरेश अग्रवाल, श्री	हरदोई
143–नवल किशोर, श्री	बुलन्दशहर
144–नसीम, श्री	मऊ
145–नसीरुद्दीन, श्री	फिरोजाबाद
146–निरवेन्द्र कुमार मुन्ना; श्री	खीरी
147–निर्भय पाल शर्मा, श्री	सहारनपुर
148–नीरज चतुर्वेदी, श्री	कानपुर नगर
149–परमानन्द दण्डी, स्वामी	रामपुर
150–परशुराम, श्री	फैजाबाद
151–पारस नाथ यादव, श्री	जौनपुर
152–पीतम सिंह, श्री	एटा
153–पुत्तू सिंह यादव, श्री	शाहजहांपुर
154–पूर्णमासी देहाती, श्री	देवरिया
155–पृथ्वी सिंह विकसित, श्री	हरिद्वार
156–प्रणत पाल सिंह, श्री	मथुरा
157–प्रताप सिंह यादव, श्री	फर्रुखाबाद
158–प्रभा रावत, श्रीमती	गोरखपुर
159–प्रमोद तिवारी, श्री	प्रतापगढ़
160–प्रवीण सिंह ऐरन, श्री	बरेली
161–प्रीतम सिंह, श्री	देहरादून
162–प्रीतम सिंह, श्री	मुरादाबाद
163–प्रेम प्रकाश उर्फ जिप्पी तिवारी, श्री	सिद्धार्थनगर
164–प्रेम लता कटियार, श्रीमती	कानपुर नगर
165–प्रेम सिंह, श्री	गाजियाबाद
166–फजलुर्रहमान अंसारी, श्री	बहराइच
167–फौजदार, श्री	मऊ
168–बंशीधर, श्री	नैतीताल
169–बचनू राम पटेल, श्री	वाराणसी
170–बची सिंह रावत, श्री	अल्मोड़ा
171–बच्चा पाठक, श्री	बलिया
172–बदन सिंह, श्री	आगरा
173–बनवारी लाल दोहरे, श्री	फर्रुखाबाद
174–बनवारी सिंह, श्री	बदायूं
175–बरकत अली खां, श्री	सुल्तानपुर

176–बी० आर० वर्मा, श्री — आजमगढ़
177–बरफिया लाल जुवांठा, श्री — उत्तरकाशी
178–बलराम यादव, श्री — आजमगढ़
179–बशीर, श्री — हमीरपुर
180–बाबू खां, श्री — हरदोई
181–बाबू राम यादव, श्री — मैनपुरी
182–बाबू राम वर्मा, श्री — बस्ती
183–बाबू लाल, श्री — उन्नाव
184–बाल गोविन्द राजवंशी, श्री — सीतापुर
185–बाल चन्द्र मिश्र, श्री — कानपुर नगर
186–बालेश्वर त्यागी, श्री — गाजियाबाद
187–बालेश्वर यादव, श्री — देवरिया
188–बिहारी लाल आर्य, श्री — झांसी
189–बी० के० गुप्ता, श्री — पीलीभीत
190–बेचन राम, श्री — गोरखपुर
191–बेनी प्रसाद, श्री — बाराबंकी
192–बैजनाथ रावत, श्री — बाराबंकी
193–ब्रह्म दत्त द्विवेदी, श्री — फर्रुखाबाद
194–ब्रह्मा शंकर त्रिपाठी, श्री — देवरिया
195–भगवत शरण गंगवार, श्री — बरेली
196–भगवती प्रसाद शुक्ल, श्री — लखनऊ
197–भगवती प्रसाद सागर, श्री — कानपुर देहात
198–भगेलू राम, श्री — सुल्तानपुर
199–भागवत पाल, श्री — मिर्जापुर
200–भैरो प्रसाद मिश्र, श्री — बांदा
201–मंजूर अहमद, श्री — बरेली
202–मण्डलेश्वर सिंह, श्री — आगरा
203–मदन गोपाल वर्मा, श्री — फतेहपुर
204–मदन भइया, श्री — मेरठ
205–मनव्वर हसन, श्री — मुजफ्फरनगर
206–मनोहर लाल, श्री — उन्नाव
207–मन्नू लाल कुरील, श्री — बांदा
208–मयंकर सिंह, श्री — बहराइच
209–मयंकेश्वर शरण सिंह, श्री — रायबरेली
210–मसूद अहमद, डा० — फैजाबाद
211–महबूब अली, श्री — मुरादाबाद
212–महराज सिंह यादव, इटैली, श्री — इटावा
213–महाबीर सिंह, श्री — बिजनौर
214–महाबीर सिंह, कुंवर — हरदोई
215–महिपाल सिंह यादव, श्री — बरेली
216–महेन्द्र अरिदमन सिंह राजा, श्री — आगरा
217–महेन्द्र पाल सिंह, श्री — बिजनौर
218–महेन्द्र प्रताप नारायण सिंह, श्री — फतेहपुर
219–महेन्द्र सिंह माहरा, श्री (महू भाई) — पिथौरागढ़
220–महेश चन्द्र, श्री — कानपुर नगर
221–मातवर सिंह कण्डारी, श्री — टिहरी गढ़वाल
222–माम चन्द्र, श्री — सहारनपुर
223–माया शंकर पाठक, श्री — वाराणसी
224–मारकण्डेय सिंह, श्री — बलिया
225–मित्रसेन यादव, श्री — फैजाबाद
226–मीर मजहर अली उर्फ नन्हें मियां, श्री — बदायूं
227–मुक्ति नाथ, श्री — देवरिया
228–मुख्तार अनीस, श्री — सीतापुर
229–मुनीश गौड़, श्री — अलीगढ़
230–मुरलीधर, श्री — फतेहपुर
231–मुलायम सिंह यादव, श्री — फिरोजाबाद
232–मेवा लाल बागी, श्री — वाराणसी
233–मोलई, श्री — गोरखपुर
234–मोहम्मद अरशद खान, श्री — जौनपुर
235–मोहम्मद आजम खां, श्री — रामपुर
236–मोहर सिंह, श्री — सहारनपुर
237–मोहसिन, डा० — गोरखपुर

238–यश पाल आर्य, श्री — नैनीताल
239–यश पाल चौधरी, श्री — खीरी
240–यश पाल सिंह चौधरी, श्री — सहारनपुर
241–योगेन्द्र कुमार सागर, श्री — बदायूं
242–रंगनाथ, श्री — वाराणसी
243–रघुराज प्रताप सिंह, कुंवर उर्फ राजा भइया, श्री — प्रतापगढ़
244–रघुवीर सिंह, श्री — एटा
245–रणजीत सिंह जूदेव, श्री — झांसी
246–रणधीर सिंह, श्री — मुजफ्फरनगर
247–रतन लाल अहिरवार, श्री — झांसी
248–रतन लाल पंवार, श्री — मुजफ्फरनगर
249–रमाकान्त यादव, श्री — आजमगढ़
250–रमापति उर्फ रमाकान्त, श्री — देवरिया
251–रमापति शास्त्री, श्री — गोण्डा
252–रमेश कान्त लवानियां, श्री — आगरा
253–रमेश चन्द्र चंचल, श्री — फिरोजाबाद
254–रमेश पोखरियाल "निशंक", श्री — गढ़वाल
255–रमेश बहादुर, श्री — प्रतापगढ़
256–रवीन्द्र पुण्डीर, प्रोफेसर — मेरठ
257–रवीन्द्र प्रताप चौधरी उर्फ पप्पू चौधरी, श्री — सिद्धार्थनगर
258–रवीन्द्र प्रताप मल्ल, श्री — देवरिया
259–रवीन्द्र शुक्ल, श्री — झांसी
260–राकेश सचान, श्री — कानपुर देहात
261–राकेश सोनकर, श्री — कानपुर नगर
262–राजकुमार शिवहरे, श्री — बांदा
263–राजबली जैसल, श्री — इलाहाबाद
264–राजबली यादव, श्री — आजमगढ़
265–राज लक्ष्मी वर्मा, श्रीमती — बाराबंकी
266–राजबीर सिंह, श्री — अलीगढ़
267–राजा राम त्यागी, श्री — रायबरेली
268–राजीव कुमार, श्री — नैनीताल
269–राजेन्द्र कुमार, श्री — मऊ
270–राजेन्द्र कुमार गुप्त, श्री — सीतापुर
271–राजेन्द्र प्रसाद, श्री — लखनऊ
272–राजेन्द्र सिंह, श्री — देहरादून
273–राजेन्द्र सिंह, श्री — बिजनौर
274–राजेश अग्रवाल, श्री — बरेली
275–राजेश कुमार, श्री — बदायूं
276–राजेश कुमार, श्री — वाराणसी
277–राधे श्याम, श्री — बाराबंकी
278–राधे श्याम गुप्त, श्री — फतेहपुर
279–रानी देव लता, श्रीमती — सहारनपुर
280–राम अचल राजभर, श्री — फैजाबाद
281–राम अधार यादव, श्री — महराजगंज
282–राम आसरे वर्मा, श्री — हरदोई
283–राम औतार मिश्रा, श्री — शाहजहांपुर
284–राम करन आर्य, श्री — बस्ती
285–राम किशोर बिन्द, श्री — वाराणसी
286–राम कुमार वर्मा, श्री — खीरी
287–राम कुमार शुक्ल, श्री — लखनऊ
288–राम कृष्ण वर्मा, श्री — मेरठ
289–राम खेलावन, श्री — उन्नाव
290–राम गोपाल, श्री — खीरी
291–राम जीत भारद्वाज, श्री — वाराणसी
292–राम तेज, श्री — बहराइच
293–राम दर्शन यादव, श्री — आजमगढ़
294–राम दवर, श्री — जौनपुर
295–राम दास पाल, श्री — कानपुर देहात
296–राम देव वर्मा, श्री — फैजाबाद
297–राम धनी, श्री — गाजीपुर
298–राम नरेश यादव, श्री — रायबरेली
299–राम पाल सिंह, श्री — मुजफ्फरनगर

300–राम प्रकाश, श्री — बस्ती
301–राम प्रकाश गुप्त, श्री — लखनऊ
302–राम प्रकाश त्रिपाठी, श्री — फर्रुखाबाद
303–राम प्रताप सिंह, श्री — गोण्डा
304–राम प्रसाद टम्टा, श्री — अल्मोड़ा
305–राम प्रसाद, श्री — बुलन्दशहर
306–राम प्रसाद चौधरी, श्री — बस्ती
307–राम बाबू हरित, डा० — आगरा
308–राम मूर्ति सिंह, श्री — शाहजहांपुर
309–राम लखन, श्री — प्रतापगढ़
310–राम लखन वर्मा, श्री — फैजाबाद
311–राम लोटन सिंह पटेल, इन्जी० — मिर्जापुर
312–राम विशुन आजाद, श्री — गोण्डा
313–राम वीर सिंह, श्री — फिरोजाबाद
314–राम सजीवन निर्मल, श्री — इलाहाबाद
315–राम सरन वर्मा, श्री — पीलीभीत
316–राम सिंह, श्री — बुलन्दशहर
317–राम सेवक सिंह, श्री — इलाहाबाद
318–राम सेवक सिंह, श्री — बदायूं
319–राम स्वरूप, श्री — मथुरा
320–राम स्वरूप सिंह, श्री — बिजनौर
321–रामेश्वर दयाल, श्री — मैनपुरी
322–रिजवान जहीर उर्फ रिज्जू भइया, श्री — गोण्डा
323–रेखा छागला, श्रीमती — इटावा
324–लक्ष्मी चन्द्र, श्री — बुलन्दशहर
325–लक्ष्मी नारायण पाण्डेय उर्फ गुरू जी, श्री — प्रतापगढ़
326–लल्लू सिंह, श्री — फैजाबाद
327–लाज कृष्ण गांधी, श्री — सहारनपुर
328–लालजी, श्री — वाराणसी
329–लालजी यादव उर्फ जोगी, श्री — जौनपुर
330–लाल बहादुर सिंह, श्री — प्रतापगढ़
331–लालमणि प्रसाद, श्री — बस्ती
332–वकार अहमद शाह, श्री — बहराइच
333–वासुदेव, श्री — बलन्दशहर
334–विक्रमा सिंह, श्री — बलिया
335–विजय सिंह, श्री — सोनभद्र
336–विजेन्द्र सिंह, श्री — अलीगढ़
337–विनय कुमार पाण्डेय उर्फ विन्नू, श्री — गोण्डा
338–विश्राम सिंह, श्री — हरदोई
339–विश्वनाथ, श्री — देवरिया
340–विश्वनाथ प्रसाद गुप्त, श्री — गोण्डा
341–विश्वम्भर प्रसाद निषाद, श्री — बांदा
342–विश्वम्भर सिंह, श्री — मथुरा
343–वीर अभिमन्यू सिंह, श्री — फतेहपुर
344–वीरेन्द्र पाल सिंह, श्री — बुलन्दशहर
345–वीरेन्द्र प्रताप सिंह उर्फ मुन्ना, श्री — शाहजहांपुर
346–वीरेन्द्र मोहन सिंह, श्री — पीलीभीत
347–वीरेश्वर सिंह उर्फ वीरेश यादव, श्री — अलीगढ़
348–शब्बीर अहमद, श्री — बहराइच
349–शराफत यार खां, श्री — बरेली
350–शशि बाला पुण्डीर, श्रीमती — सहारनपुर
351–शशि बाला भारती, श्रीमती — खीरी
352–शाकिर, श्री — देवरिया
353–शारदा नन्द अंचल, श्री — बलिया
354–शारदा प्रसाद जायसवाल, श्री — महराजगंज
355–शिव कुमार बेरिया, श्री — कानपुर देहात
356–शिव दानी, श्री — इलाहाबाद
357–शिव प्रताप यादव, डा० — गोण्डा

358–शिव प्रताप शुक्ल, श्री — गोरखपुर
359–शिव बहादुर सक्सेना, श्री — रामपुर
360–शिव राम सिंह कुशवाहा, श्री — जालौन
361–शिवेन्द्र, श्री — महराजगंज
362–शूरवीर सिंह सजवाण, श्री — टिहरी गढ़वाल
363–श्याम किशोर यादव, श्री — लखनऊ
364–श्याम देव राय चौधरी, (दादा) — वाराणसी
365–श्याम लाल रावत, श्री — सीतापुर
366–श्याम सुन्दर शर्मा, श्री — मथुरा
367–श्रीराम पाल, श्री — जालौन
368–श्रीराम, श्री — मिर्जापुर
369–श्रीराम यादव, श्री — जौनपुर
370–श्रीराम सिंह, श्री — गोण्डा
371–संग्राम सिंह यादव, श्री — बलिया
372–संदीप अग्रवाल, श्री — मुरादाबाद
373–सज्जन पाल सिंह उर्फ रज्जन पाल सिंह, श्री — एटा
374–सतीश कुमार, श्री — बिजनौर
375–सतीश भटिया, श्री — लखनऊ
376–सतीश महाना, श्री — कानपुर नगर
377–सत्य प्रकाश, श्री — मुरादाबाद
378–सत्य प्रकाश विकल, श्री — आगरा
379–सत्येन्द्र सिंह, श्री — मुरादाबाद
380–सन्त बक्श रावत, श्री — लखनऊ
381–सफदर रजा खां, श्री — सुल्तानपुर
382–समई, श्री — आजमगढ़
383–समर पाल, श्री — मुरादाबाद
384–समीर भाटी, श्री — गाजियाबाद
385–सरजीत सिंह डंग, डा० — मिर्जापुर
386–सर्वराज सिंह, कुंवर — बरेली
387–सर्वेश कुमार उर्फ राकेश, श्री — मुरादाबाद
388–सावित्री देवी, श्रीमती — जौनपुर
389–सियाराम सागर, डा० — बरेली
390–सुखदेव, श्री — आजमगढ़
391–सुखदेवी, श्रीमती — इटावा
392–सुधीर कुमार बालियान, श्री — मुजफ्फरनगर
393–सुन्दर पाल सिंह, श्री — सीतापुर
394–सुन्दर लाल दीक्षित, श्री — बाराबंकी
395–सुन्दर लाल लोधी, श्री — उन्नाव
396–सुरेन्द्र पाल वर्मा, श्री — बांदा
397–सुरेन्द्र सिंह नेगी, श्री — गढ़वाल
398–सुरेश कुमार खन्ना, श्री — शाहजहांपुर
399–सुरेश चन्द्र तितौरिया, श्री — मुजफ्फरनगर
400–सुरेश पासी, श्री — प्रतापगढ़
401–सुरेश प्रताप सिंह, श्री — मुरादाबाद
402–सुरेश संगल, श्री — मुजफ्फरनगर
403–सुशीला सरोज, श्रीमती — हरदोई
404–सूरज सिंह, श्री — एटा
405–स्वयंम्वर चौधरी, श्री — सिद्धार्थनगर
406–स्वामी नाथ, श्री — देवरिया
407–हरक सिंह रावत, श्री — गढ़वाल
408–हरदेव सिंह, श्री — बाराबंकी
409–हरपाल सिंह, श्री — बुलन्दशहर
410–हरवंश कपूर, श्री — देहरादून
411–हरिशंकर तिवारी, श्री — गोरखपुर
412–हरी किशन श्रीवास्तव, श्री — कानपुर देहात
413–हरी शंकर माहौर, श्री — अलीगढ़
414–हरीश कुमार गंगवार, श्री — बरेली
415–हरेन्द्र सिंह, श्री — मुजफ्फरनगर
416–हरेन्द्र सिंह, श्री — रामपुर
417–हाजी मोहम्मद हयात्, श्री — मुरादाबाद
418–हीरा मनि पटेल, श्री — इलाहाबाद
419–हृदय नारायण, श्री — उन्नाव

उत्तर प्रदेश विधान सभा

राज्यपाल

श्री मोती लाल बोरा

मंत्रि-परिषद्

1–श्री मुलायम सिंह यादव मुख्य मंत्री	सामान्य प्रशासन, गृह, गोपन, ऊर्जा, सूचना, निर्वाचन, वित्त, संस्थागत वित्त, सार्वजनिक उद्यम, आवास, न्याय विधायिका, गन्ना विकास, चीनी मिलें, उद्योग, सिंचाई, आबकारी, पर्यटन, पर्यावरण, श्रम, कृषि, उत्तरांचल विकास,प्राविधिक शिक्षा, उ० शिक्षा, नियोजन, खाद्य, दुग्ध विकास, राज्य सम्पत्ति, उद्यान, युवा कल्याण, राष्ट्रीय एकीकरण, इलेक्ट्रानिक्स ।
2–श्री बेनी प्रसाद वर्मा	लोक निर्माण तथा संसदीय कार्य ।
3–श्री मोहममद आजम खां	सहकारिता तथा मुस्लिम वक्फ ।
4–श्री राज बहादुर	समाज कल्याण
5–श्री राम लखन वर्मा	पंचायती राज
6–श्री रमा शंकर कौशिक	नगर विकास
7–श्री भगवती सिंह	वन
8–श्री बलराम यादव	स्वास्थ्य, चिकित्सा तथा चिकित्सा शिक्षा ।
9–श्री बाबूराम यादव	राजस्व
10–श्री मनोहर लाल	पशुधन तथा मत्स्य
11–श्री अवधेश प्रसाद	कारागार, होमगार्ड्स तथा राजनैतिक पेंशन ।
12–श्री आर० के० चौधरी	परिवहन
13–डा० मसूद अहमद	माध्यमिक शिक्षा तथा बेसिक शिक्षा ।
14–श्री श्रीराम यादव	ग्राम्य विकास तथा क्षेत्रीय विकास ।

उत्तर प्रदेश विधान सभा

राज्य मंत्री

1–श्री शारदानन्द अंचल	माध्यमिक शिक्षा तथा बेसिक शिक्षा मंत्री
2–श्री रामधनी	ग्राम्य विकास तथा क्षेत्रीय विकास मंत्री
3–श्री दीनानाथ भाष्कर	स्वास्थ्य, चिकित्सा तथा चिकित्सा शिक्षा मंत्री
4–श्री सुरेन्द्र पाल वर्मा	परिवहन मंत्री
5–श्री श्रीराम पाल	मत्स्य तथा पशुधन मंत्री
6–श्री सन्त बख्श रावत	नगर विकास मंत्री
7–श्री सुन्दर सिंह बघेल	समाज कल्याण मंत्री
8–श्री सुखराम सिंह यादव	लोक निर्माण तथा संसदीय कार्य मंत्री
9–श्री अशोक कुमार सिंह बेबी	पंचायती राज मंत्री
10–श्री सुखदेव राजभर	सहकारिता तथा मुस्लिम वक्फ मंत्री
11–श्री विशम्भर प्रसाद निषाद	राजस्व मंत्री

उप मंत्री

1–श्री राम किशोर बिन्द	कारागार, होमगार्ड्स तथा राजनैतिक पेंशन मंत्री
2–श्री लालजी चौहान	वन मंत्री

नेता, विरोधी दल

श्री कल्याण सिंह	भारतीय जनता पार्टी

उत्तर प्रदेश विधान सभा

उत्तर प्रदेश विधान सभा के पदाधिकारी तथा अधिष्ठाता मण्डल

अध्यक्ष

श्री धनीराम वर्मा

उपाध्यक्ष

रिक्त

अधिष्ठाता मण्डल

1–श्री अशोक बाजपेयी, सदस्य, विधान सभा (हरदोई)
2–श्री ऊदल, सदस्य, विधान सभा (वाराणसी)
3–श्री राम करन आर्य, सदस्य, विधान सभा (बस्ती)
4–श्री बी० आर० वर्मा, सदस्य, विधान सभा (आजमगढ़)
5–श्री सत्य प्रकाश विकल, सदस्य, विधान सभा (आगरा)
6–श्री राजेन्द्र कुमार गुप्त, सदस्य, विधान सभा (सीतापुर)
7–श्री भगवती प्रसाद शुक्ल, सदस्य, विधान सभा (लखनऊ)
8–श्री नरेश अग्रवाल, सदस्य, विधान सभा (हरदोई)
9–श्री राम आसरे वर्मा, सदस्य, विधान सभा (हरदोई)
10–श्री अखिलेश, सदस्य, विधान सभा (महाराजगंज)

सचिव

श्री प्रेम चन्द्र सक्सेना

उत्तर प्रदेश विधान सभा

उत्तर प्रदेश विधान सभा

बुधवार, दिनांक 15 दिसम्बर, 1993

निम्नांकित सदस्यों के अतिरिक्त अन्य सभी सदस्य उपस्थित थे :–

अकबर अली, श्री	जालौन
अखिलेश कुमार सिंह, श्री	रायबरेली
अजय प्रताप सिंह, श्री	गोण्डा
अनिल कुमार, श्री	सीतापुर
अफजाल अन्सारी, श्री	गाजीपुर
अमर सिंह, श्री	सिद्धार्थनगर
अवनीश कुमार सिंह, श्री	बदायूं
अशोक बाजपेई, श्री	हरदोई
इश्तियाक अहमद, श्री	बाराबंकी
उर्मिला देवी यादव, श्रीमती	मैनपुरी
कल्याण सिंह, श्री	अलीगढ़
कोकब हमीद खां, श्री	मेरठ
गिरीश नारायण पाण्डेय, श्री	रायबरेली
गोविन्द सिंह कुंजवाल, श्री	अल्मोड़ा
चन्द्र किशोर, श्री	महराजगंज
चन्द्र शेखर, श्री	बस्ती
चरन सिंह, श्री	मेरठ
जगदम्बिका पाल, श्री	बस्ती
जगरनाथ चौधरी, श्री	जौनपुर
जमुना मिश्र, श्री	सुल्तानपुर
जवाहर यादव, श्री	इलाहाबाद
तेजपाल सिंह, श्री	बिजनौर
दीनानाथ भास्कर, श्री	वाराणसी
दौलत राम, श्री	सीतापुर
धू राम, श्री	हमीरपुर
नरेन्द्र कुमार सिंह गौर, डा०	इलाहाबाद
नरेन्द्र सिंह, श्री	सीतापुर
नरेन्द्र सिंह चौधरी, श्री	कानपुर देहात
नरेश अग्रवाल, श्री	हरदोई
नसीरुद्दीन, श्री	फिरोजाबाद
निर्भय पाल शर्मा, श्री	सहारनपुर
परशुराम, श्री	फैजाबाद
प्रभा रावत, श्रीमती	गोरखपुर
प्रीतम सिंह, श्री	देहरादून
फौजदार प्रसाद, श्री	मऊ
बचनू राम पटेल, श्री	वाराणसी
बदन सिंह, श्री	आगरा
बरफिया लाल जुवांठा, श्री	उत्तरकाशी
बाबू खां, श्री	हरदोई
बालेश्वर यादव, श्री	देवरिया
ब्रह्म दत्त द्विवेदी, श्री	फर्रुखाबाद
मदन गोपाल वर्मा, श्री	फतेहपुर
मनव्वर हसन, श्री	मुजफ्फरनगर
महबूब अली, श्री	मुरादाबाद
महेन्द्र अरिदमन सिंह राजा, श्री	आगरा
महेन्द्र सिंह माहरा, श्री (महू भाई)	पिथौरागढ़
माया शंकर पाठक, श्री	वाराणसी
मित्रसेन यादव, श्री	फैजाबाद
मेवा लाल बागी, श्री	वाराणसी
यशपाल सिंह चौधरी, श्री	सहारनपुर
रघुराज प्रताप सिंह, कुंवर	प्रतापगढ़
रणजीत सिंह जूदेव, श्री	झांसी
रमाकान्त यादव, श्री	आजमगढ़
रमापति शास्त्री, श्री	गोण्डा
रवीन्द्र शुक्ल, श्री	झांसी
राकेश सचान, श्री	कानपुर देहात
राजेन्द्र प्रसाद, श्री	लखनऊ
राधे श्याम, श्री	बाराबंकी
राम प्रकाश गुप्त, श्री	लखनऊ
राम प्रकाश त्रिपाठी, श्री	फर्रुखाबाद
राम प्रकाश सिंह, श्री	गोण्डा

राम वीर सिंह, श्री	फिरोजाबाद
राम स्वरूप सिंह, श्री	बिजनौर
रामेश्वर दयाल, श्री	मैनपुरी
रिजवान जहीर, उर्फ रिज्जू भइया	गोण्डा
लल्लू सिंह, श्री	फैजाबाद
लालजी, श्री	वाराणसी
वकार अहमद शाह, श्री	बहराइच
विजय सिंह, श्री	सोनभद्र
शिवेन्द्र, श्री	महराजगंज
श्याम देव राय चौधरी, (दादा) श्री	वाराणसी
सर्वराज सिंह, कुंवर	बरेली
सुखदेव, श्री	आजमगढ़
हरदेव सिंह, श्री	बाराबंकी
हरी किशन श्रीवास्तव, श्री	कानपुर देहात
हरेन्द्र सिंह, श्री	मुजफ्फरनगर
हाजी मोहम्मद हयात, श्री	मुरादाबाद

उत्तर प्रदेश विधान सभा

उत्तर प्रदेश विधान सभा

विधान सभा की बैठक सभा मण्डप लखनऊ में अपराह्न 3 बजे से अध्यक्ष (प्रोटेम) श्री केशरी नाथ त्रिपाठी की अध्यक्षता में आरम्भ हुई ।

विधान सभा की सदस्यता की शपथ न ग्रहण करने वाले मा० सदस्यों से शपथ ग्रहण करने का आग्रह

श्री अध्यक्ष–

मैं सदन की कार्यवाही प्रारम्भ करने के पूर्व निम्नलिखित माननीय सदस्यों से जिन्होंने अभी तक शपथ नहीं ली है अनुरोध करूंगा कि इस सदन में अपनी शपथ ले लें । बिना शपथ लिए कोई भी माननीय सदस्य इस सदन में विधिपूर्वक नहीं बैठ सकेंगे ।

1–कुंवर सर्वराज सिंह (बरेली)

2–श्री नरेन्द्र सिंह (सीतापुर)

3–श्री रिजवान जहीर खां (गोण्डा)

4–श्री जगर नाथ चौधरी (जौनपुर)

5–श्री कल्याण सिंह (अलीगढ़)

6–श्री मनव्वर हसन (मुजफ्फरनगर)

यदि इनमें से कोई माननीय सदस्य यहां पर हों तो शपथ ले लें ।

श्री केशरीनाथ त्रिपाठी, सदस्य, विधान सभा को अस्थायी अध्यक्ष नियुक्त करने की सूचना

सचिव, विधान सभा–

श्रीमन्, मैं आपकी अनुमति से श्री राज्यपाल के निम्नलिखित आदेश दिनांक 6 दिसम्बर, 1993 को पढ़कर सुनाता हूं :–

" 'भारत के संविधान' के अनुच्छेद 180 के खण्ड (1) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करके मैं, मोती लाल वोरा, राज्यपाल, उत्तर प्रदेश, श्री केशरी नाथ त्रिपाठी को, जो विघटित विधान सभा के अध्यक्ष एवं इलाहाबाद दक्षिणी निर्वाचन क्षेत्र से विधान सभा के सदस्य हैं, उस समय तक के लिए जब तक कि संविधान के अनुच्छेद 178 के उपबन्धों के अनुसार विधान सभा द्वारा अध्यक्ष का निर्वाचन न कर लिया जाय, संविधान के अनुच्छेद 179 के द्वितीय परन्तुक के अधीन रहते हुए, अध्यक्ष का पद रिक्त होने पर अध्यक्ष पद के कर्तव्यों का पालन करने के लिए नियुक्त करता हूं । "

विधान सभा के अध्यक्ष का निर्वाचन तथा नव-निर्वाचित अध्यक्ष श्री धनीराम वर्मा को बधाई

श्री अध्यक्ष–

जैसा कि माननीय सदस्यों को विदित है कि आज का दिन श्री अध्यक्ष के पद के निर्वाचन हेतु नियत किया गया है । नियमानुसार नाम-निर्देशन पत्र दिनांक 14 दिसम्बर, 1993 के मध्याह्न 12 बजे

के पूर्व तक आ जाना चाहिए था, उक्त अवधि के भीतर जो नाम निर्देशन पत्र प्राप्त हुए हैं उनका विवरण इस प्रकार है :–

प्रथम नाम-निर्देशित व्यक्ति हैं श्री धनी राम वर्मा, प्रस्तावक हैं श्री मुलायम सिंह यादव और समर्थक हैं श्री बेनी प्रसाद वर्मा । दूसरे नाम-निर्देशित व्यक्ति भी श्री धनी राम वर्मा हैं, प्रस्तावक हैं श्री मित्रसेन यादव और समर्थक हैं श्री महबूब अली । तीसरे भी श्री धनी राम वर्मा हैं और प्रस्तावक हैं श्री राम लखन वर्मा और समर्थक हैं, श्री काशी सिंह ऐरी । चौथे भी श्री धनी राम वर्मा हैं और प्रस्तावक हैं श्री प्रमोद तिवारी और समर्थक हैं श्री मुख्तार अनीस, पांचवे भी श्री धनी राम वर्मा हैं और प्रस्तावक हैं श्री राम आसरे वर्मा और समर्थक हैं श्री किरन पाल सिंह । 6ठे भी श्री धनी राम वर्मा हैं प्रस्तावक हैं श्री नरेश अग्रवाल और समर्थक हैं श्री हृदय नारायण । 7वें नाम निर्देशित व्यक्ति हैं श्री धनी राम वर्मा । प्रस्तावक हैं श्री राम प्रकाश त्रिपाठी और समर्थक हैं श्री ओम प्रकाश सिंह । उक्त सात नाम-निर्देशन पत्रों में एक ही नाम का प्रस्ताव है । अतः उत्तर प्रदेश विधान सभा की प्रक्रिया तथा कार्य संचालन नियमावली के नियम 8 के उप नियम (3) (क) के अनुसार इस निर्वाचन के लिए औपचारिक प्रस्ताव करना आवश्यक नहीं है और मैं माननीय श्री धनी राम वर्मा को अध्यक्ष पद के लिए सर्वसम्मति से निर्वाचित किये जाने की घोषणा करता हूं । (तालियां)

मैं माननीय श्री धनी राम वर्मा को सर्वसम्मति से निर्वाचित होने की बधाई देता हूं ।

श्री धनी राम वर्मा का जन्म 07 अक्तूबर, 1930 को इटावा जिले के पुरवा सुजन गांव में हुआ था । उन्होंने एम० ए०, एल० टी० तक की शिक्षा प्राप्त की है । आपका विवाह 1946 में श्रीमती राम देवी से हुआ । आपके 4 पुत्र तथा 3 पुत्रियां हैं ।

श्री धनी राम वर्मा जी उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिए सर्व प्रथम 1980 के निर्वाचन में लोक दल से निर्वाचन क्षेत्र औरैया, इटावा से सदस्य निर्वाचित हुए । तत्पश्चात् आप 1989 में जनता दल, 1991 में समाजवादी जनता पार्टी तथा 1993 में समाजवादी पार्टी से निर्वाचन क्षेत्र बिधुना, जनपद इटावा से लगातार विधान सभा के सदस्य निर्वाचित होते आ रहे हैं । वर्ष 1980–83 में विधान सभा की सार्वजनिक उपक्रम तथा निगम समिति और 1991 में लोक लेखा समिति के भी सदस्य रहे हैं ।

श्री वर्मा जी ने अध्ययन और अध्यापन को अपनी जन सेवा के रूप में चुना जिससे आप अनेक शिक्षण संस्थाओं से सम्बद्ध रहे । आपने वर्ष 1964 से 1991 तक भगवान दास इण्टर कालेज, हरचन्दपुर के प्रधानाचार्य के पद पर कार्य करते हुए दिनांक 30 जून, 1991 को अवकाश प्राप्त किया । सन् 1964 में आपने शिव इण्टर कालेज, टिपुआ याकूबपुर, इटावा की स्थापना की तथा 1990 तक उसके प्रबन्धक रहे एवं वर्तमान में संरक्षक हैं । आपने 1971 में जनता इण्टर कालेज, नुनारी पुरवासुजानपुर की स्थापना की तथा कई वर्षों तक उसके प्रबन्धक रहे एवं वर्तमान में संरक्षक भी हैं । 1983 में कन्या हाई स्कूल, पुरवासुजान की स्थापना की, जिसके आप अभी संरक्षक भी हैं । 1991 में डा० राम मनोहर लोहिया, महाविद्यालय की स्थापना की और अभी तक उसकी प्रबन्ध समिति के अध्यक्ष हैं । सन् 1990 में राम देवी माध्यमिक विद्यालय, हरचन्दपुर एवं ज्ञान ज्योति माध्यमिक विद्यालय, हरचन्दपुर की स्थापना के साथ ही हरचन्दपुर एवं याकूबपुर में सार्वजनिक पुस्तकालयों की स्थापना की और वर्तमान में इनके प्रबन्धक हैं । शिक्षा के क्षेत्र में आपके उल्लेखनीय योगदान और सेवा को देखते हुए वर्ष 1991 में बेसिक शिक्षा परिषद, उत्तर प्रदेश के राज्य मंत्री स्तर के उपाध्यक्ष पद पर आपको नियुक्त किया गया । आप 1969 से 1973 तक जिला सहकारी बैंक, इटावा के संचालक तथा उपाध्यक्ष रहे और पुनः 1978 से 1980 तक संचालक रहे । इसके अतिरिक्त समय-समय पर जनहित

के लिए चलाये गये विभिन्न आन्दोलनों में भाग लेने के कारण 1978 से 1983 तक आपको कई बार केन्द्रीय कारागार फतेहगढ़ और जिला जेल इटावा में रहना पड़ा ।

अध्यापन, राजनीति, कृषि तथा बागवानी एवं धार्मिक व सामाजिक कार्यों में आपकी विशेष रुचि है । आप अध्ययन एवं खेलकूद प्रिय हैं । शुद्ध शाकाहारी प्रकृति के धार्मिक व्यक्ति हैं । आप इसी जन सेवा, कर्मठता, समर्पित राजनीतिक जीवन के कारण आज विधान सभा के गौरवमय अध्यक्ष पद पर निर्विरोध निर्वाचित हुए हैं । आशा है कि आप अपने व्यवहार एवं कार्य कलापों से इस अध्यक्ष पद की गरिमा को और अधिक बढ़ायेंगे ।

अब मैं नेता सदन और नेता प्रतिपक्ष से निवेदन करूंगा कि वे श्री धनी राम वर्मा को ढूंढ कर उन्हें अध्यक्ष पीठ पर आसीन करायें ।

(माननीय नेता सदन श्री मुलायम सिंह यादव एवं माननीय उप नेता विरोधी दल श्री राजेन्द्र कुमार गुप्त ने श्री धनी राम वर्मा जी को खोजकर अध्यक्ष पीठ पर आसीन किया)

(मेजों की थपथपाहट)

(इस समय 3 बजकर 10 मिनट पर नव-निर्वाचित अध्यक्ष श्री धनी राम वर्मा अध्यक्ष पीठ पर आसीन हुए ।)

*मुख्य मंत्री (श्री मुलायम सिंह यादव)–

मान्यवर, इस महान और गौरवशाली सदन के अध्यक्ष निर्विरोध चुने जाने पर हम आपको बधाई दें, इसके पहले निवर्तमान अध्यक्ष जी माननीय केशरी नाथ त्रिपाठी जी को मैं धन्यवाद देता हूं और उनका आभार भी व्यक्त करता हूं कि उन्होंने सदन में निष्पक्षता से सदन की कार्यवाही के संचालन और सदन के सभी माननीय सदस्यों का विश्वास प्राप्त किया । इसलिए हम उनके प्रति पुनः इस सदन की ओर से आभार भी व्यक्त करते हैं और धन्यवाद भी ज्ञापित करते हैं ।

मान्यवर, आप इस देश के सबसे बड़े प्रदेश के सदन के अध्यक्ष चुने गये और जिस गरिमा का, सभी सदन के नेताओं का, सभी दलों के सम्मानीय सदस्यों का आपको विश्वास मिला, आप जीवन भर शिक्षा प्राप्ति के बाद इस समाज के, इस प्रदेश के समाज के विभिन्न क्षेत्रों में काम भी किये हैं, हमें पूरी तरह से आपके बारे में जानकारी है, सदन को भी जानकारी है । शिक्षा के प्रसार में आपने जितना महत्वपूर्ण योगदान जनपद इटावा में किया है शायद ही कोई उतना काम कर सका हो । सहकारिता के आन्दोलन में हमने और आपने साथ-साथ काम किया है । मुझे सौभाग्य प्राप्त है, आपके साथ जिला सहकारी बैंक जनपद इटावा के संचालक मण्डल में हम लोग साथ ही साथ थे, काम भी साथ ही साथ किया ।

आप चौथी बार इस विधान सभा के माननीय इस सदन के निर्वाचित सदस्य के रूप में चुनकर आये हैं । हम सभी आपसे आशा करते हैं कि जिस गरिमा के साथ जिस तरह से काम किया है, इस सदन के सभी दलों ने आपको विश्वास दिया है और यह सदन माननीय श्रद्धेय और स्वर्गीय पुरुषोत्तम दास टण्डन की जो परम्परायें हैं, उन परम्पराओं को आप कायम रखेंगे और इस देश की जो संसदीय प्रणाली है, लोकतंत्र में इस सदन का महत्वपूर्ण स्थान भी इस देश में रहा । हम अपनी तरफ से और

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया ।

अपने दल की तरफ से पूरी तरह से सदन की कार्यवाही के संचालन में आपका पूरा-पूरा सहयोग करेंगे और हमें पूरा विश्वास है कि इस विशाल पद पर, गरिमापूर्ण पद पर बैठकर जो भी संसदीय लोकतंत्र की परम्परायें हैं उन परम्पराओं को आप कायम रखेंगे और एक आदर्श प्रस्तुत करेंगे। इस माननीय सदन में बहुत से माननीय सदस्य नये भी आये हैं, आपके अनुभव से, आपके निर्देशन से वह आपसे प्रेरणा लेंगे और आपसे बहुत कुछ संसदीय प्रणाली के ज्ञान को प्राप्त करेंगे। मैं पुनः आपका अभिनन्दन करता हूं बधाई देता हूं। आप ऐसे मौके पर इस सदन के अध्यक्ष चुने गये हैं जबकि देश की पूरी निगाहें इस पूरे प्रदेश पर हैं। लोकतंत्र की जड़ें मजबूत करने में इस प्रदेश की अहम भूमिका रही है और जब-जब देश में गम्भीर समस्यायें आयी हैं, इस प्रदेश ने हमेशा उन समस्याओं का निदान भी किया है, समाधान भी निकाला है। मैं आशा करता हूं कि जो आज उत्तर प्रदेश की तरफ निगाहें हैं, उन समस्याओं का समाधान कराने में, सभी सदस्यों का विश्वास प्राप्त करने में, सभी नेताओं का विश्वास प्राप्त करने में आप सफल होंगे और इस देश में सद्भावना का वातावरण बनाने में, जिसकी हमको जिम्मेदारी मिली है, सभी साथियों को मिली है, उसमें आपकी अहम भूमिका भी रहेगी और वह सद्भावना इस सदन से आपके माध्यम से, आपके निर्देशन पर, आपके आदर्शों पर चल करके प्रेरणा का स्रोत बनेगी यह हम आपसे आशा करते हैं। पुनः आपका अभिनन्दन करते हैं और बधाई भी देते हैं।

आपके निर्विरोध चुने जाने पर, हम भारतीय जनता पार्टी के नेता माननीय राजेन्द्र कुमार गुप्त जी, माननीय ओम प्रकाश सिंह जी, माननीय राम प्रकाश त्रिपाठी जी के प्रति भी आभार व्यक्त करते हैं और उन्हें धन्यवाद देते हैं। कांग्रेस पार्टी के नेता माननीय प्रमोद तिवारी जी, उनको मैं विशेष धन्यवाद देता हूं और उनका आभार व्यक्त करता हूं, इस उच्च पद की जो परम्परायें हैं उनको कायम रखने में आपने बड़ी सूझबूझ का काम किया है और बड़ी मेहनत की है, सबको विश्वास में लेकर काम किया है। माननीय प्रमोद तिवारी जी को बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूं। माननीय मुख्तार अनीस, माननीय किरन पाल सिंह जी, जनता दल के सभी सदस्यों का, विशेषकर मुख्तार अनीस जी और माननीय किरन पाल जी को मैं बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूं। कम्युनिस्ट पार्टी के नेता माननीय मित्रसेन जी उनको भी मैं बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूं और उनका भी आभार व्यक्त करता हूं। सी०पी०एम० के नेता उपस्थित नहीं रहे लेकिन जहां भी रहे उन्होंने अपने संदेश से पूरा सहयोग दिया। माननीय काशी सिंह ऐरी और जनता पार्टी के महबूब अली–आप सबका भी बहुत-बहुत आभार व्यक्त करता हूं। माननीय राम आसरे वर्मा जी इस सदन के उपाध्यक्ष रह चुके हैं वरिष्ठ नेताओं में से हैं। उन्होंने भी अपना समर्थन–सहयोग दिया इसके लिये मैं उनका भी बहुत आभारी हूं। इसी के साथ मैं माननीय सदन के सभी सदस्यों का आभारी हूं कि उनके सहयोग और समर्थन से वातावरण बना, जिसकी देश के कम लोगों को आशा थी कि उत्तर प्रदेश में इस उच्च पद पर आप निर्विरोध निर्वाचित होंगे। हमें टेलीफोन के माध्यम से और तरीकों से सूचनायें मिलती थी, लोग बात करते थे, किसी को आशा नहीं थी। लेकिन, इस सदन के सभी नेताओं ने और सभी माननीय सदस्यों ने, जो लोकतंत्र की मर्यादा थी, महान परम्परायें थीं, उनको कायम रखा। मुझे आशा है कि आपके इस पद पर विराजमान होने से संसदीय लोकतंत्र की जड़े मजबूत होंगी।

इन्हीं शब्दों के साथ मैं पुनः आपको बधाई देता हूं।

* श्री राजेन्द्र कुमार गुप्त–

माननीय अध्यक्ष जी, मैं अपनी ओर से और अपने दल (भाजपा) की ओर से विधान सभा अध्यक्ष के गौरवशाली पद पर, सर्वसम्मति से चुने जाने पर आपको हार्दिक बधाई देता हूं। आपकी योग्यता, आपके संसदीय अनुभव, समाज के लिये आपके द्वारा की गयी सेवायें, आपका निष्पक्ष व्यवहार, सब दृष्टि से आपके सर्वसम्मत चयन के लिये योग्य था। पिछले चार टर्नों में आप इस आदरणीय सदन में काम किये हैं। इस सदन में समय-समय पर आपने जो विचार प्रकट किये हैं, उससे आपके संसदीय ज्ञान, संसदीय अनुभव का अच्छा परिचय इस आदरणीय सदन के सभी पुराने सदस्यों को है। मान्यवर, संसदीय लोकतंत्र में अध्यक्ष का स्थान एक अत्यन्त महत्वपूर्ण और गरिमा का होता है। यह हमारे लिये बड़ी खुशी की बात है कि उस स्थान पर आज आप विराजमान हुये हैं, जिस स्थान को राजर्षि पुरूषोत्तम दास टण्डन, बाबू बनारसी दास जी, आत्माराम गोविन्द खेर जैसे लोग सुशोभित कर चुके हैं। आज इस सदन में तीन और महानुभाव भी बैठे हुये हैं, जिन्होंने इस गरिमामय पद को सुशोभित किया है, श्री केशरी नाथ त्रिपाठी, श्री जगन्नाथ प्रसाद, श्री हरी किशन श्रीवास्तव जी, जिन्होंने अपने समय में निष्पक्ष आचरण के द्वारा इस आदरणीय सदन की गौरवशाली परम्पराओं को बढ़ाया है। अभी माननीय केशरी नाथ त्रिपाठी जी का नाम माननीय नेता सदन ने लिया। अभी-अभी इस समय तक वह अध्यक्ष थे, बड़ी कुशलता के साथ, बड़ी योग्यता के साथ और निष्पक्षता के साथ वह इस आदरणीय सदन का संचालन करते रहे हैं, इसके लिये मैं अपनी ओर से और अपने दल की ओर से उनके प्रति कृतज्ञता अर्पित करता हूं और बधाई देता हूं।

मान्यवर, आप बहुमुखी प्रतिभा के धनी हैं और स्वयं अध्यापक रहे हैं। इतना ही नहीं, आपने अनेक विद्यालयों को जन्म देकर, उनकी स्थापना करके महत्वपूर्ण काम भी किया है, आपने विभिन्न आन्दोलनों में भी काम किया है। केवल शिक्षा के क्षेत्र में ही नहीं, बल्कि जनता पर होने वाले अन्याय, उत्पीड़न, शोषण के खिलाफ भी आपकी आवाज उठती रही है। आपका व्यक्तित्व अत्यन्त अनुकरणीय रहा है। जैसा कि मैंने पहले कहा कि अध्यक्ष का पद बहुत ही महत्वपूर्ण है और आप अध्यक्ष पीठ से पक्ष और विपक्ष दोनों के बीच विराजमान रहकर, निष्पक्षता के साथ इस आदरणीय सदन का कुशल संचालन करते रहेंगे, इसका मुझे पूर्ण विश्वास है। मैं इस अवसर पर यह वचन देता हूं कि इस आदरणीय सदन के संचलन में मेरी ओर से और मेरे दल की ओर से आपको सदा पूर्ण सहयोग मिलता रहेगा और कभी भी हमारी ओर से आपको निष्पक्ष संचालन में बाधा नहीं होगी। मैं इसके साथ आपसे अपेक्षा करता हूं, जब अनेक ऐसे अवसर आते हैं, जिस समय व्यवस्था देना एक दुरुह काम होगा, आपका जीवन हमारे सामने हैं, आपके आचरण का अनुभव सामने हैं, उसके बल पर आप पूरे विश्वास के साथ, निष्पक्षता के साथ ऐसी बाधाओं को दूर करेंगे। इसी के साथ मैं एक बार पुनः अपनी ओर से, अपने दल की ओर से इस आदरणीय सदन के कुशल संचालन हेतु आपमें विश्वास प्रकट करता हूं और पूर्ण सहयोग का आश्वासन देता हूं। इन्हीं शब्दों के साथ में आपको इस गौरवशाली पद पर निर्विरोध ही नहीं बल्कि सर्वसम्मति से चुने जाने पर बधाई देता हूं और भगवान से प्रार्थना करता हूं कि जिस विश्वास और आशा के साथ हम लोगों ने आपको इस पद पर चुना है, उसी के अनुसार आप इस सदन की गौरवमयी परम्पराओं को सौहार्द के साथ आगे बढ़ायेंगे, इसके साथ ही आपके नेतृत्व में हम सभी प्रदेश

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

की समस्याओं के निस्तारण के लिए आगे बढ़ते रहें, इसी कामना के साथ मैं आपको पुनः बधाई देता हूं।

पंचायती राज मंत्री (श्री राम लखन वर्मा)–

श्रीमन् आपने इस देश के प्रदेशों में सबसे बड़े प्रदेश की विधान सभा के सदन के अध्यक्ष पद को सुशोभित किया है। मान्यवर, मैं अपने और अपने दल की तरफ से आपको बहुत-बहुत बधाई देता हूं। मान्यवर, आप ऐसी कुर्सी पर विराजमान हुए हैं जिसकी अत्यधिक गरिमा है। आपसे दलितों, पिछड़ों, अल्पसंख्यकों और समाज के सारे इन्साफपसन्द लोगों को बहुत उम्मीद है। मुझे विश्वास है कि चूंकि आप गांव के कीचड़ से निकल करके, जमीन से निकल करके सर्वसम्मति से इस कुर्सी पर बैठें हैं। यही नहीं आप सर्वसम्मति से पक्ष और विपक्ष के सारे लोगों की सहमति से इस कुर्सी पर पहुंचे हैं। श्रीमन्, आपकी योग्यता सर्वविदित है, कुछ कहना नहीं है। आपकी योग्यता में कोई कोर-कसर नहीं है। मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि शांतिपूर्वक इस सदन को चलाने में जो भी सहयोग की जरूरत होगी, मेरा दल (बसपा) आपको सहयोग देता रहेगा। इन शब्दों के साथ मैं पुनः अपनी ओर से और अपने दल की तरफ से आपको बधाई देता हूं और उम्मीद करता हूं कि आप इस प्रदेश को, देश को और समाज को नई दिशा देंगे।

* श्री प्रमोद तिवारी–

अध्यक्ष जी, आपके निर्वाचन पर मैं आपको अपनी और अपने दल (कांग्रेस आई) की ओर से हार्दिक बधाई देता हूं और शुभकामनायें देता हूं। मान्यवर, आप इस गौरवशाली सदन की गरिमामय पीठ पर आसीन हुये हैं। एक किसान को खेत, खलिहान से आकर इस गौरवशाली आसन पर पहुंचने का सौभग्य प्राप्त हुआ है। मैं बधाई देना चाहता हूं सम्पूर्ण सदन को और विशेष रूप से सपा-बसपा गठबन्धन के नेता श्री मुलायम सिंह यादव जी को जिन्होंने किसान के बेटे को उपयुक्त समझकर इस सर्वोच्च आसन पर आसीन किया है। बधाई देना चाहूंगा मैं अपने सभी विरोधी दल के सदस्यों को जिन्होंने आपसी कटुता समाप्त कर, आपसी बिखराव समाप्त करके इस गौरवशाली परम्परा को कायम रखा है, जिसके लिये प्रदेश की विधान सभा को जाना जाता रहा है। आपको सर्वसम्मति से निर्वाचित नहीं किया है बल्कि हृदय से पूरा सहयोग देते हुये किया है। इसलिये मैं आपको विशेष रूप से बधाई देना चाहता हूं। श्रीमन् आप जिस आसन पर आसीन हैं उससे बहुत अपेक्षायें और आशायें भी हैं। आपको इस गौरवशाली परम्परा का निर्वहन करना है। जिस आसन पर आप विराजमान हैं, जिस आसन पर बैठे हैं इस आसन को बहुत से ऐसे नेताओं ने भी सुशोभित किया है जिन्होंने लम्बे राजनैतिक जीवन में प्रदेश का ही नहीं देश का भी नेतृत्व किया है। राजर्षि पुरूषोत्तम दास टण्डन ने भी इस आसन को सुशोभित किया था और उन्होंने भारतीय राजनीति को एक नई दिशा दी। शिक्षक का समाज में महत्वपूर्ण स्थान होता है और आपका सम्पूर्ण जीवन क्षेत्र ही शिक्षक के रूप में बीता है। मुझे पूरा विश्वास है कि इस आसन पर बैठकर आप अपनी पुरानी परम्पराओ का निर्वाह ही नहीं करेंगे बल्कि एक नई दिशा, एक नया आयाम भी स्थापित करेंगे। हमारे दल का पूर्ण समर्थन, पूरा सहयोग आपको है। आपके बारे में इतना ही कह सकता हूं कि जब मैं पहली बार 1980 में इस सम्माननीय सदन का सदस्य बना था तो मैं और आप साथ में आये थे। आपका साथ बड़ा ही सहयोगपूर्ण रहा और आपके विचारों

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नही किया।

ने प्रभावित किया । आपने जब कभी शून्य काल में समस्यायें उठाई वह किसानों की समस्यायें, मजदूरों की समस्यायें उठाई और दलितों की समस्यायें उठाई जिनकी आवाज उठाने वाला कोई नहीं था । विरोधपक्ष में बैठ कर आज जब विरोधी दल के लीग ऐसे लोगों की समस्यायें उठायेंगे तो मुझे विश्वास है कि आपका आशीर्वाद और संरक्षण मिलता रहेगा ।

मान्यवर, आपसे एक आग्रह है, विनती है । पहली बार इस सदन में 174, 175 नये चेहरे चुनकर आये हैं । आप अध्यापक रहे हैं जिस तरह से नये छात्रों को शिक्षा और अनुशासन सिखाते रहे हैं उन्हें प्रोत्साहित करते रहे हैं, मुझे विश्वास है पुराने सदस्यों के मुकाबले नये सदस्य जो पहली बार आये हैं उनको अपनी बात कहने का मौका देंगे ।

मान्यवर, एक बात और कहूंगा प्रधानाचार्य का पद जहां कठोर अनुशासक का होता है, यहां पर भी आप प्रधानाचार्य की कुर्सी पर विराजमान हैं । लेकिन यहां पर उस सख्ती को छोड़ दें, नम्रता के साथ सब को गले लगा कर चलें, यही आपसे प्रार्थना है ।

आप एक अच्छे खिलाड़ी है यह बात बहुत कम लोगों को मालूम होगी कि वालीबाल के राष्ट्रीय स्तर के आप खिलाड़ी रहे हैं । यहां पर भी रोजाना वालीबाल खेलेंगे, कौन खेलेगा यह समय बतायेगा । मुझे विश्वास है कि आप इस सदन को एक अच्छे खिलाड़ी की भावना से चलायेंगे । खिलाड़ी ईमानदार होता है, देश के प्रति समर्पित होता है, अपनी टीम के लिये खेलता है । आज के पहले तक जिस टीम में रहे हैं चाहे स०पा०, बसपा गठबंधन की टीम में रहे हैं लेकिन आज से आपकी टीम में सभी सदस्य हैं और उस टीम के आप कैप्टन है मुझे विश्वास है कि जो खेल हम खेलेंगे वह राष्ट्रीय गौरव का विषय बनेगा, एक आदर्श का विषय बनेगा उसमें कोई कमी नहीं आयेगी ।

सहकारिता आन्दोलन का भी आपने नेतृत्व किया है और सबका सहयोग प्राप्त किया है । इसी तरह से शिक्षा के क्षेत्र में कई विद्यालयों की स्थापना की है । मुझे विश्वास है कि यहां पर भी नये आयाम स्थापति करेंगे और सब के सहयोग की भावना से सब को साथ लेकर सदन को चलने की कृपा करेंगे । माननीय राजेन्द्र गुप्त ने कहा कि निष्पक्ष रहेंगे । मैं कहूंगा कि निष्पक्ष रह कर विरोधी दलों के साथ न्याय नहीं कर पायेंगे निष्पक्ष रहे उधर के लिये जिनकी संख्या अधिक है जिनकी संख्या कम है उनके साथ निष्पक्ष रह कर न्याय नहीं करेंगे । मैं 5वीं बार विधान सभा में आया हूं आपसे आग्रह करूंगा आप कुर्सी सीधी करके न बैठें, इधर की तरफ टेढ़ी करके बैठें, उधर की तरफ भूल कर भी मत देखें, उधर से जो आवाज आये उस पर ध्यान न दें, हम लोग जो इधर बैठे हैं हम लोगों की आवाज सुनें माननीय बेनी प्रसाद जी की आवाज बिलकुल मत सुनियेगा क्योंकि उनकी बात गलत होती है और हम लोगों की बात सही होगी, हम सही बतायेंगे । आप निष्पक्ष होकर न बैठे हम लोगों का पक्ष लेकर बैठें कमजोर और दीन दुखी लोगों के साथ तभी न्याय होगा । इन शब्दों के साथ मैं अपनी शुभकामनायें अर्पित करता हूं ।

मैं अपने कर्तव्य का पालन नहीं करूंगा, यदि मैं माननीय केशरी नाथ त्रिपाठी जी के संदर्भ में दो शब्द नहीं कहूंगा । उनका अध्यक्ष का कार्यकाल एक आदर्श रूप में याद किया जायेगा और उनको हमेशा सम्मान दिया जाता रहेगा । उनके कार्यकाल में कभी नहीं लगा कि उन्होंने सत्ता पक्ष और विपक्ष में कोई भेद किया । उसका मूल कारण यही था कि उन्होंने कभी राजेन्द्र कुमार गुप्त जी की बात को ही सही मान कर चलना चाहिये, उचित नहीं समझा उनकी गलत बात को स्वीकार नहीं किया । इस भावना से माननीय केशरी नाथ त्रिपाठी जी यहां पर रहे हैं ।

इन शब्दों के साथ एक बार पुनः मैं आपको शुभकामनायें प्रदान करते हुए श्री मुलायम सिंह यादव जी को बधाई देता हूं कि उन्होंने किसान के बेटे को प्रदेश के सर्वोच्च आसन पर बिठाया है। इसके साथ ही साथ मैं सभी विभिन्न दलों के नेताओं को भी बधाई देता हूं कि उन्होंने उत्तर प्रदेश विधान सभा की गौरवशाली परम्परा को कायम रखा और सर्वसम्मति से ही नहीं बल्कि हृदय से इस सर्वोच्च आसन पर एक ऐसे आदमी को बिठाया है जो गांव के खेत, और खलिहानों और गरीब आदमियों से परिचित एवं व्यवहारिक है। मैं अपने दल की ओर से और उत्तर प्रदेश की जनता की ओर से आपको शुभकामनायें अर्पित करता हूं।

*श्री मुख्तार अनीस–

माननीय अध्यक्ष महोदय, इस विधान सभा के अध्यक्ष चुने जाने पर मैं अपनी ओर से अपने दल (जनत दल) की ओर से आपको हार्दिक बधाई देता हूं। वर्ष 1980 में जब आप पहली बार चुनकर आये थे जब मेरा और आपका इस विधान सभा में साथ हुआ था और दोनों ही एक ही दल के थे और आज भी विचारधारा के हिसाब से हम में और आप में कोई फर्क नहीं है।

मान्यवर, आपका सौम्य व्यक्तित्व, सरल स्वभाव, आपकी पकड़ और समझ यह सब बातें जो उस आसन पर बैठने वाले व्यक्ति में होनी चाहिए वह सब आप में मौजूद हैं। इसलिए मुझे खुशी है कि हम सभी ने सर्वसम्मति से आपको इस सदन का अध्यक्ष मनोनीत किया है।

मैं नेता सदन श्री मुलायम सिंह यादव जी को धन्यवाद देता हूं कि उन्होंने आप जैसे योग्य और कुशल नेता को इस सदन का अध्यक्ष बनाने का प्रस्ताव दिया जिसका हम सभी लोगों ने समर्थन किया हैं। हम सभी लोगों ने जो यहां बैठे हैं, आपको इस सदन का अध्यक्ष चुना है और हम सभी आपको हार्दिक बधाई देते हैं।

मान्यवर, इस सदन को आपसे बहुत आशायें हैं कि इस लोकतंत्र मे इस सदन के अन्दर जो गरीब, पिछड़े और दलित वर्ग से जो लोग चुनकर आये हैं उनकी बातों को सुनने का आप अवसर देंगे। आप जिस आसन पर बैठे हैं यह प्रदेश का सर्वोच्च आसन है और आप इस आसन से हमारी सुरक्षा करेंगे तथा माननीय मुख्य मंत्री और उनके मंत्रियों को अपने आचरण से दबाने का प्रयत्न करेंगे चूंकि आप प्रधानाचार्य रहे हैं। इस सदन को कुशलतापूर्वक चलाने में हम सभी आपको सहयोग देने के लिये तैयार हैं लेकिन आपसे हम लोग चाहते हैं कि हमारी बातों को यहां सुना जाए। जो जनता की समस्यायें हैं, यहां उठायें तो आपका आशीर्वाद हमारे साथ होना चाहिए उनके (सत्ता पक्ष) साथ नहीं। मान्यवर, राम मनोहर लोहिया जी ने कहा था कि लोकतंत्र का आधार है तर्क और तर्क का आधार है सत्य। सदन के अन्दर जब हमें सत्य उजागर करने का मौका मिलेगा तो मैं अपने दल की ओर से आपको आश्वासन देता हूं कि हम लोग वेल के अन्दर नहीं जायेंगे। कोई भी गंभीर परिस्थितियां न पैदा हों, यदि ऐसा संचालन इस सदन का होगा तो हम लोग वेल में नहीं जायेंगे।

मान्यवर, आज जो वातावरण इस प्रदेश का है वह दूषित है..... । वह थोड़ा प्रदूषित है, लेकिन इस वातावरण में आपका सर्वसम्मति से चुना जाना, आपको पूरा विश्वास देना, इस बात का प्रदर्शन करता है कि हम लोग आप से तर्क-वितर्क करते हुए और अलग-अलग पार्टी में रहते हुए भी

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

किसी एक बिन्दु पर सहमत हो सकते हैं । इसलिए मैं आपका पुनः अभिनन्दन करता हूं और इसका पटाक्षेप करते हुए अपने पूर्व विधान सभा अध्यक्ष श्री केशरी नाथ त्रिपाठी जी के बारे में भी कुछ कहना चाहता हूं जो आज यहां इस समय हमारे बीच मौजूद हैं । मैं उस समय विधान सभा में नहीं था, किन्तु जिस योग्यता और निष्पक्षता पूर्वक वह इस सदन का संचालन किया करते थे, वह हम लोग समाचार पत्रों के माध्यम से पढ़ा करते थे, सब मालूम होता रहता था । आप एक योग्य अध्यक्ष थे और मैं आशा करता हूं कि मान्यवर, आप भी उन्हीं परम्पराओं का कुशलतापूर्वक निर्वहन करेंगे । मान्यवर, आप उस जिले से जीत कर आये हैं, जिस जिले के अध्यक्ष ने इस प्रदेश की विधान सभा में प्रथम बार अध्यक्षता की है । मैं आपका ध्यान नफीसुल हसन साहब की ओर ले जाना चाहता हूं । वह इस सदन में एक बहुत योग्य अध्यक्ष थे, और उनके साथ ही इस सदन में माननीय पुरूषोत्तम दास टंडन भी अध्यक्ष हुए हैं, जो आज हमारे बीच नहीं हैं, उनका नाम सदैव सम्मान से लिया जाएगा । साथ ही बनारसीदास जी और खेर साहब भी यहां अध्यक्ष रहे हैं । इन सबकी महिमा अपार थी । मान्यवर, मैं पुनः आपको बधाई देता हूं और एक बार पुनः आपसे आशा करता हूं कि आपके संरक्षण में हमारे लोकतंत्रीय अधिकारों का कभी हनन नहीं होगा । आपको पुनः बहुत-बहुत धन्यवाद ।

श्री अध्यक्ष–

श्री राम आसरे वर्मा जी ।

लोक निर्माण तथा संसदीय कार्य मंत्री (श्री बेनी प्रसाद वर्मा)–

मान्यवर, ऊदल जी खड़े हो गये हैं, अब उनको अवसर दीजिए । उनके दल से तो हो गया ।

श्री अध्यक्ष–

मैंने इसलिए बुला लिया है कि जनता दल नेता की तरफ से नाम नहीं आया है इसीलिए मैंने उनको भी बुला लिया है । अब मैं ऊदलजी से आग्रह करूंगा ।

श्री ऊदल–

आप ऐसे ऊच्चासन पर सर्वसम्मति से चुने गये, मुझे और हमारे दल (भाकपा) के लोगों को इस पर महान खुशी है । मान्यवर, यह पद बहुत ऊंचा है, जिसका जिक्र माननीय नेताओं ने किया । आपने मान्यवर, शिक्षा के क्षेत्र में बहुत ही काम किये हैं और अग्रणी रहे हैं और उसके साथ-साथ आपकी इस विधान सभा में दलितों, किसानों और मजदूरों के हितों पर जब कभी किसी प्रकार की चोट शासन के द्वारा या शासन के अधिकारियों द्वारा पहुंचाई जा रही थी, तब आपने मुखर होकर उनके पक्ष में आवाज को यहां मुखरित किया है और आपने हमेशा उनके पक्ष को लेकर लड़ाई लड़ी है । मैं आपको इस गरिमामय पद पर चुने जाने पर बधाई देता हूं । मान्यवर, मैं वचन तो नहीं देता कि हमारे दल का पूरा सहयोग आपको मिलेगा, क्योंकि यह तो कार्यों से मालूम होगा कि हमारे दल ने आपको सहयोग किया या नहीं । इसलिए मान्यवर, इस मौके पर मैं यही कहना चाहता हूं कि हमारी विधान सभा हिन्दुस्तान में, भारत में सबसे बड़ी विधान सभा है और यहां का अनुकरण अन्य प्रदेशों के लोग किया करते हैं । जनतान्त्रिक प्रणाली में इस विधान सभा का बहुत महत्व है । आपके कुशल संचालन में इस प्रदेश की प्रगति होगी, किसानों और मजदूरों के हितों की रक्षा होगी और यहां जो माननीय सदस्य हैं उनके हितों की रक्षा आप करेंगे, यह हमारी आपसे आशा है और मैं आपसे यह भी आशा करता हूं कि जो भी माननीय सदस्य जन समस्याओं को यहां पर उठायेंगे, उनको आपका संरक्षण प्राप्त रहेगा । इसलिए मान्यवर, मैं अपनी ओर से और अपने दल की ओर से आपको सर्वसम्मति से चुने जाने पर बधाई देता

हूं और आपका हार्दिक अभिनन्दन करता हूं और उम्मीद करता हूं कि इस प्रदेश की प्रगति में आपका मार्ग दर्शन प्रदेश के दलितों, किसानों और मजदूरों को मिलता रहेगा। धन्यवाद।

श्री काशी सिंह ऐरी–

मान्यवर, आपको इस सदन के अध्यक्ष के रूप में सर्वसम्मति से चुने जाने पर मैं और मेरा दल (उत्तराखण्ड क्रान्ति दल) आपको बहुत-बहुत बधाई देता है। और जैसा कि कई माननीय नेताओं ने कहा है कि यह सर्वसम्मति चुनाव ही नहीं बल्कि सारे सदन के सभी माननीय सदस्यों ने आपको अंपने हृदय से अपना विश्वास दिया है। इसके लिये मैं माननीय नेता सदन को भी बधाई देता हूं विशेषतौर पर इस बात के लिये कि उन्होंने एक किसान के बेटे को, एक झोपड़ी में रहने वाले व्यक्ति को, और झोपड़ी के दर्द को समझा। गरीब किसान का दर्द समझा और इस उत्तरदायित्वपूर्ण आसन पर बैठाया। आज जब मैं अखबार पढ़ रहा था तो उसमें लिखा था "पुरवासुजान की झोपड़ी से विधान सभा की कुर्सी तक का सफर"। जैसा कि कई माननीय नेताओं ने कहा और मैं समझता हूं कि इस माननीय विधान सभा में इस वर्ष कई माननीय सदस्य नये चुनकर ही नहीं आये बल्कि उन क्षेत्रों से, उन इलाकों से आये हैं जो वास्तव में प्रदेश में पिछड़े हुए हैं और इस प्रदेश की बेरोजगारी, प्रगति के लिये ज्यादा चिन्तित हैं। मैं आपसे निवेदन के साथ यह भी अपेक्षा करूंगा कि आपके द्वारा इनकी आवाज को सुनने का मौका मिलेगा। पिछड़े वर्ग को आगे बढ़ने का मौका मिलेगा। यह विधान सभा अपनी परम्परा के अनुसार कार्य करेगी गरीबों, दलितों, किसानों सबकी प्रगति के लिए कार्य करेगी। मान्यवर, मैं यह भी कहना चाहता हूं कि आप शिक्षा जगत से जुड़े हैं और सहकारिता से भी जुड़े हैं और यह दोनों ऐसे क्षेत्र हैं जो सामाजिक प्रगति के लिये कारगर साधन रहे हैं। आपसे उम्मीद करते हैं कि आपके दिशा निर्देशन में इस क्षेत्र में सहयोग मिलेगा और हमारा इस देश में अग्रणी पंक्ति में आयेगा। आपसे यह निवेदन है कि जो कमजोर लोग हैं चाहे नये सदस्य के रूप में हों, कमजोर इलाकों, तबकों से चुनकर आये हैं उनकी बात सुने, उनकी वाणी के मुताबिक काम हो। ऐसी व्यवस्था आपके कुशल नेतृत्व में इस विधान सभा को प्राप्त होगी। पुनः मैं आपको इस सुशोभित पद पर, गौरवशाली पद पर सर्वसम्मति से चुने जाने पर बहुत-बहुत बधाई देता हूं।

* श्री राम स्वरूप–

माननीय अध्यक्ष जी, आपको सर्व सम्मति से चुने जाने पर अभिनन्दन करते हुए बधाई देता हूं और यह आशा करता हूं कि इस पद की गरिमा बनाये रखने में सहयोग देंगे। किसानों और मजदूरों का सहयोग जैसा कि आप करते आये हैं, उसी प्रकार करते रहेंगे। मैं पुनः आपको बधाई देता हूं। आपका हार्दिक अभिनन्दन करता हूं। अपनी बात यहीं समाप्त करता हूं।

श्री अध्यक्ष–

निर्दलीय सदस्य कुछ बोलना चाहते हैं ?

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

* श्री अतीक अहमद–

मान्यवर, मैं निर्दलीय सदस्यों की ओर से और स्वयं अपनी ओर से आपको बहुत-बहुत बधाई देता हूं और साथ में उन सभी दलों को विशेषकर विपक्ष में बैठे लोगों का पहला अच्छा आचरण था इसके लिए मैं उनको मुबारकबाद देता हूं, पूरे सदन को बधाई देता हूं कि इस पद की गरिमा को बनाए रखा । अध्यक्ष महोदय का संरक्षण सभी सदस्यों को प्राप्त होता है । माननीय अध्यक्ष जी ने तमाम दलों के साथ-साथ निर्दलीय को भी अवसर दिया है इसी तरह हमेशा विशेष कृपा दृष्टि निर्दलीयों पर बनाए रखें । धन्यवाद ।

श्री अध्यक्ष–

माननीय नेता सदन, माननीय उप नेता विरोधी दल, माननीय नेता कांग्रेस पार्टी, माननीय नेता जनता दल, माननीय नेता कम्युनिस्ट पार्टी, माननीय नेता मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी, माननीय नेता उत्तरांचल और सभी माननीय सदस्य, मैं सबसे पहले आप सभी साहिबान को बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूं और आभार प्रकट करता हूं कि आपने देश के सबसे बड़े प्रदेश की गरिमामयी कुर्सी पर सर्वसम्मति से मुझे बैठाने का कार्य किया । मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि वह मुझे शक्ति प्रदान करे जिससे इस गरिमामय सदन को सुचारु रूप से संचालित कर सकूं और साथ ही साथ पक्ष और विपक्ष के किसी भी माननीय सदस्य को यह कहने का किंचित मात्र भी संदेह न हो सके कि मैंने कोई पक्षपातपूर्ण निर्णय लिया है ।

(दोनों पक्षों की तरफ से तालियां बजाई गई)

सचमुच आज इस सदन की जो स्थिति है उस स्थिति में इस पद के लिए सर्वसम्मति से चुनाव किया जाना अपने आप में एक इतिहास बनेगा और उदाहरण भी पेश होगा । जिस तरह से आप लोगों ने मुझे अपना विश्वास दिया है मैं विश्वास दिलाना चाहता हूं मेरी ओर से उन सारी परम्पराओं का उन सारे आदर्शों का पूरा-पूरा पालन किया जाएगा । जिन आदर्शों और परम्पराओं को हमारे माननीय श्री टंडन जी ने हम सब के लिए छोड़ा है । टंडन जी के आदर्श, उनके निर्णय उनकी परम्पराएं एक इतिहास बन चुके हैं जो सदैव देश के लिए ही नहीं विदेश के लिए भी सदन के संचालन के लिए एक इतिहास बने हैं । जिस तरह से माननीय टंडन जी ने कहा था कि यदि सदन का कोई भी सदस्य पक्षपात के लिए उंगली अगर उठा देगा तो मैं सदन से इस्तीफा दे दूंगा । उसी तरह से मैं आप सब लोगों को आश्वासन देना चाहूंगा कि यदि मेरे निर्णय के प्रति हमारे किसी माननीय सदस्य ने उंगली उठा दी तो निश्चित तौर पर मैं इस पद से इस्तीफा दे दूंगा । साथ ही साथ मैं यह भी अपेक्षा करता हूं कि आज की जो परिस्थितियां हैं, यह सही है कि इन परिस्थितियों को लेकर जनता से चुनकर आने वाले हमारे माननीय सदस्यगण जिनसे जनता को बहुत बड़ी अपेक्षाएं हैं सदन में अपने-अपने क्षेत्र की और प्रदेश की बहुत सी समस्याएं रखने का प्रयास करेंगे । मैं अवश्य यह चाहूंगा कि वे सारी समस्याएं रखी तो जाएं लेकिन इस बात का ख्याल रखें कि किस समय किस प्रकार उनको प्रभावी ढंग से रखा जा सकता है । यदि उन्होंने इस सबका ध्यान रखा तो निश्चित तौर पर सदन के संचालन में किसी प्रकार की कोई बाधा हो ही नहीं सकती । लेकिन कभी-कभी ऐसा भी देखने में आया है कि हमारे बहुत से माननीय सदस्य गलती में अपनी बात को न मान कर अनियमित ढंग से और मनमाने ढंग से सदन में बोलने का प्रयास करते हैं, उस समय अवश्य

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया ।

उस समय अवश्य ही एक ऐसा अवसर आता है जब अध्यक्ष पीठ को उसमें हस्तक्षेप करना ही पड़ता है। लेकिन मुझे विश्वास है कि हमारे सदन के हर दल के नेता ऐसे हैं जिनको सदन का बहुत बड़ा अनुभव हैं।

निश्चित तौर से जैसा पहले भी होता रहा है अपने साथियों को वह सही रास्ता, सही मार्ग दर्शन देते रहेंगे जिससे उनको अपनी बात रखने में कठिनाई भी नहीं होगी और सदन का चलाना भी अच्छी तरह से होता रहेगा। मैं इस अवसर पर यह भी कहना चाहूंगा कि हमारे माननीय सदस्य इस बात का

[समय 4 बजे]

विशेष ध्यान रखेंगे कि जब कार्य मंत्रणा समिति की मीटिंग होगी उसमें भी यह निवेदन जरूर करूंगा कि प्रदेश की जो ज्वलंत समस्यायें हैं उनको तो सदन के संज्ञान में लाया ही जाय, सदन के पटल पर रखा ही जाय लेकिन हमारे बहुत से माननीय सदस्य जो प्रश्न प्रहर में अपने क्षेत्र और प्रदेश की बहुत सी ऐसी समस्यायें रखा करते हैं जिनका अपने में एक विशेष स्थान है, तो उस प्रश्न प्रहर को बाधित न किया जाय। प्रश्न प्रहर जब बाधित होता है तो वह सारी समस्यायें जिनमें बहुतों का निराकरण होना ज्यादातर सम्भव है, उनका निराकरण नहीं हो पाता है। बहुत से लोगों को मनमानी करने का मौका मिल जाता है। मैं यह जरूर अपेक्षा करूंगा कि प्रश्न प्रहर बाधित न किया जाय। इसके साथ ही साथ मैं पुनः अपने सभी दलों के नेताओं को, माननीय सदस्यों को धन्यवाद देता हूं, कृतज्ञता प्रकट करता हूं, आभार प्रकट करता हूं कि उन्होंने इस गरिमामय पद पर मुझे आसीन किया और प्रदेश की बहुत सी समस्याओं के निराकरण के लिये भागीदार बनाया।

कार्य मंत्रणा समिति हेतु सदस्यों के नाम-निर्देशन की सूचना

श्री अध्यक्ष--

अब मैं एक सूचना आप सबके सामने प्रस्तुत कर रहा हूं।

उत्तर प्रदेश विधान सभा की प्रक्रिया तथा कार्य-संचालन नियमावली, 1958 के नियम 223(1) के अन्तर्गत कार्य-मंत्रणा समिति (1993-94) में मैंने निम्नलिखित की समिति के सदस्य के रूप में नाम-निर्दिष्ट किया है :--

(1) श्री बेनी प्रसाद वर्मा, माननीय संसदीय कार्य तथा लोक निर्माण मंत्री।

(2) श्री राम लखन वर्मा, माननीय पंचायती राज मंत्री।

(3) श्री बलराम यादव, माननीय चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री।

(4) डा० मसूद अहमद, माननीय माध्यमिक शिक्षा मंत्री।

(5) श्री अशोक बाजपेयी।

(6) श्री शिव कुमार बेरिया।

(7) श्री राम प्रकाश त्रिपाठी।

(8) श्री राम कुमार वर्मा।

(9) श्री प्रमोद तिवारी।

(10) श्री ऊदल।

अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष, विधान सभा उक्त नियमावली के नियम 223(1) के अन्तर्गत पदेन सभापति एवं पदेन सदस्य होंगे ।

उक्त समिति की बैठक आज दिनांक 15 दिसम्बर, 1993 को सदन के उठने के तुरन्त पश्चात् कक्ष संख्या 15, विधान भवन, लखनऊ में आयोजित की गयी है । समिति के माननीय सदस्यगण से अनुरोध है कि वे कृपया समिति की उक्त बैठक में पधारने का कष्ट करें ।

सदन में विधायक सीट पर बैठे अजनबी व्यक्ति को क्षमा किये जाने का प्रस्ताव

श्री अध्यक्ष–

मार्शल द्वारा सूचना दी गयी कि आज दिनांक 15 दिसम्बर, 1993 को लगभग 3.35 बजे अपराह्न जब माननीय अध्यक्ष, विधान सभा के निर्वाचन का कार्यक्रम सम्पन्न हो चुका था तथा श्री राम लखन वर्मा, नेता बसपा नवनिर्वाचित माननीय अध्यक्ष के प्रति अपना धन्यवाद व्यक्त कर रहे थे, यह ज्ञात हुआ कि एक व्यक्ति पत्रकार दीर्घा के ठीक सामने सदन में आकर माननीय सदस्यों के लिये निर्धारित आसन पर कतिपय सदस्यों के बीच बैठा हुआ है । उक्त सूचना पर मैंने डिप्टी मार्शल विधान सभा को इस तथ्य की पुष्टि करने एवं संबंधित व्यक्ति के बारे में यथास्थिति जानकारी करने के लिये आदेशित किया । उक्त व्यक्ति के निकट बैठे कतिपय माननीय सदस्यों से जानकारी करने पर इस तथ्य की पुष्टि हुई कि वह व्यक्ति सदन का सदस्य नहीं है और अजनबी व्यक्ति है । उस व्यक्ति ने पूछा के दौरान हरौड़ा विधान सभा क्षेत्र, जनपद सहारनपुर का निर्वाचित सदस्य श्री मोहर सिंह के रूप में अपने को होना बताया । जब काफी छानबीन की गयी तो इस तथ्य की पुष्टि हो गयी कि वह व्यक्ति गलत सूचना दे रहा है तथा निर्वाचित सदस्य नहीं है, उसे सभा मण्डप से डिप्टी मार्शल एवं अन्य सुरक्षा कर्मचारियों की सहायता से हटा लिया गया । इस समय वह व्यक्ति सदन के निर्णय की प्रत्याशा में मेरी अभिरक्षा में है । भारत के संविधान के अनुच्छेद 193 के अन्तर्गत उक्त व्यक्ति ने चूंकि दण्डनीय अपराध किया है, अतः संविधान की उपर्युक्त व्यवस्था के अनुसार उसके विरुद्ध कार्यवाही किये जाने हेतु यह टिप्पणी प्रेषित की जा रही है ।

लोक निर्माण एवं संसदीय कार्य मंत्री (श्री बेनी प्रसाद वर्मा)–

मान्यवर, आपने जो सूचना दी है, उसके अनुसार उस व्यक्ति ने दण्डनीय अपराध किया है, लेकिन आज का दिन शुभ दिन है । आप आज ही के दिन उस गौरवमय पद पर आसीन हुए हैं, इसलिये मैं प्रस्ताव करता हूं कि उस व्यक्ति को क्षमादान दे दिया जाये ।

(प्रस्ताव सर्वसम्मति से स्वीकृत हुआ ।)

श्री अध्यक्ष–

माननीय संसदीय कार्य मंत्री द्वारा किये गये प्रस्ताव के अनुसार उस व्यक्ति को क्षमा किया जाता है ।

अब हम उठते हैं, कल 12.30 बजे फिर बैठेंगे ।

(इसके बाद सदन 4 बजकर 13 मिनट पर अगले दिन के 12.30 बजे तक के लिये स्थगित हो गया ।

लखनऊ :
15 दिसम्बर, 1993

प्रेम चन्द्र सक्सेना,
सचिव,
उत्तर प्रदेश ।

पी० एस० यू० पी०–एल- 122 विधान सभा (213)–1994–813 (डी० टी० पी०) ।